'पादप वर्गीकरण में क्षमता निर्माण का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम' पर शुरू हुए कार्यशाला में बोले विशेषज्ञ

बड़े ही नहीं छोटे पौधों को भी बचाना है

भागलपुर | कार्यालय संवाददाता

टीएनबी कॉलेज में शुक्रवार को 'पादप वर्गीकरण में क्षमता निर्माण का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम' विषय पर आठ दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला शुरू हुई। इसका उद्घाटन भागलपुर विवि के कुलपति प्रो. रमा शंकर दुबे, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण कोलकाता के निदेशक डा. परमजीत सिंह और प्रतिकुलपति प्रो. अवध किशोर राय ने किया।

कुलपति ने कहा कि पादपों का संरक्षण जरूरी है। वर्तमान में लोग जेनेटिक इंजीनियरिंग, जीएम फूड, प्लांट ब्रीडिंग के बारे में बात करते हैं। लेकिन पौधे की पहचान ही सही न हो तो इस पर आधारित शोध गलत हो जाएंगे। इसलिए इस विषय के शोध पर बल देने की जरूरत है। डा. परमजीत सिंह ने कहा कि पेड़-पौधे की पहचान इसलिए ज्यादा जरूरी है क्योंकि इससे पौधा संरक्षण में लाभ होगा। पेड़-पौधे केवल इसलिए जरूरी नहीं हैं कि इनसे शुद्ध वायु मिलती है बल्कि इनसे दवाइयों का भी निर्माण होता है। उन्होंने कहा कि सिर्फ बड़े पेड़-पौधों का संरक्षण ही जरूरी नहीं है। सूक्ष्म पादपों को बचाना भी आवश्यक है। एलेक्जेंडर फ्लेमिंग का उदाहरण देकर बताया कि उन्होंने जिस फफूंद से पेनिसिलिन का आविष्कार किया वह सूक्ष्मजीव था। डा. सिंह ने बताया कि वह इससे पहले 1984 में भागलपुर में हुए ऐसे आयोजन में आए थे। तब प्रो. केएस बिलग्रामी ने आयोजन कराया था और वह शोध छात्र थे। इस बार वह भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के निदेशक के रूप में आए हैं। यह संस्थान ऐसे ही शोध के लिए है।

टीएनबी कॉलेज में कार्यशाला का उद्घाटन करते कुलपति रमाशंकर दुबे व अन्य।

टीएनबी कॉलेज

- फफूंद सूक्ष्मजीव,जिससे पेनिसिलिन का आविष्कार किया गया
- मानव अस्तित्व बचाने के लिए पौधों को बचाना जरूरी है

शिवाजी विवि कोल्हापुर के प्रो. एसआर यादव ने कहा कि मानव अस्तित्व बचाने के लिए पौधों का बचाना जरूरी है। 1.7 मिलियन पादप का वर्गीकरण हो चुका है। वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. पी लक्ष्मीनरसिम्हन, भागलपुर विवि के विज्ञान के डीन प्रो. केएलबी सिंह, बॉटनी विभाग के अध्यक्ष डा. अरुण कुमार सिंह ने भी अपने विचार रखे। अतिथियों का स्वागत प्राचार्य डा. दुर्गेश नंदन झा ने किया। आयोजन सचिव डा. हरेन्द्र कुमार चौरसिया ने कहा कि इस आयोजन की सफलता तब है जब कम से कम दो पादप वर्गीकर्ता तैयार हों। मंच संचालन डा. मनोज कुमार ने किया। इसके पहले कॉलेज की सांस्कृतिक इकाई ने कार्यक्रम की शुरुआत कुलगीत व स्वागत गीत से की।

इंटरनेट के सहारे हो रहे शोध

भागलपुर। टीएनबी कॉलेज में आयोजित कार्यशाला में भागलपुर विवि के विज्ञान के डीन प्रो. कुमार लाल बहादुर सिंह ने कहा कि आजकल इंटरनेट की मदद से शोध हो रहे हैं। कई शोधार्थी नेट से निकालकर शोध प्रपत्र में ऐसे-ऐसे पौधों की तस्वीर डाल देते हैं जो आसानी से नहीं मिलते हैं। इस तरह के शोध से कोई फायदा नहीं होने वाला। पौधों का वर्गीकारण तो बिना पौधों को देखे करना बिल्कुल गलत है।